दिल्ली । उत्तर प्रदेश । उत्तराखंड । चंडीगढ़ । पंजाब । हरियाणा । हिमाचल । जम्मू-कश्मीर

देहरादून । बुधवार । 19 जून 2013

नगर संस्करण वर्ष 17 अंक 114, पृष्ठ : 20 मूल्य : ₹ 2.50 या ₹ 3.50 उड़ान सहित

केदारनाथ मंदिर को छोड़ बाकी सब बारिश में बहा

संहारक देव शिव का एक रूप केदारनाथ का है लेकिन प्रकृति का ऐसा संहारक रूप केदारनाथ धाम को देखना पड़ेगा, यह कल तक कल्पनातीत था। आज यह सत्य है। बारिश ने यहां ऐसा तांडव किया कि मंदिर भी न बच सका। प्रवाह के प्रकोप ने मंदिर की चारदीवारी ढहा दी और मंदिर परिसर में भारी बोल्डर और मलबा जमा हो गया है। मंदिर के आसपास के होटल-लॉज और दुकानें भी तबाह हो गईं।

अमर उजाला

केदारघाटी में भारी तबाही

सैकड़ों लापता

केदारनाथ मंदिर सही सलामत लेकिन मंदिर परिसर के कुछ हिस्सों को पहुंचा है नुकसान, रुद्रप्रयाग से केदारनाथ तक चौतरफा तबाही का मंजर, अब तक सौ लोगों की जान जा चुकी है, पर बढ़ सकते हैं हताहत, प्रशासन ने माना- राज्य में हुई व्यापक जनहानि

अमर उजाला ब्यूरो

रुद्रप्रयाग। मंगलवार को मौसम खुला और बचाव दल केदारघाटी पहुंचा तो आंखें फटी रह गईं। हेलीकाप्टरों से गई टीमों को चारों तरफ बर्बादी दिखी। सैलाब से ढहे-अधढहे और खोखले हुए मकान और इमारतें। कई जगह छटपटा के दम तोड़ गए लोगों की लाशें पड़ीं थी तो दो दिन से भूखे-प्यासे अधमरे लोगों की करुण पुकार भी थी।

तीन दिन की मूसलाधार बारिश के बाद आए सैलाब से रुद्रप्रयाग से केदारनाथ तक सैकड़ों लोग लापता हैं। प्रशासन ने मरने या लापता होने वालों के किसी आंकड़े की पुष्टि तो नहीं की है, लेकिन माना कि व्यापक जनहानि हुई है। मंगलवार को सेना और आईटीबीपी के जवान जगह-जगह बचाव में जुटे। हेलीकॉप्टर की मदद से केदारनाथ से करीब 850 लोगों को निकाला गया है।

मंदाकिनी ने खूब कहर ढाया। हवाई सर्वेक्षण में रामबाड़ा नक्शे से गायब है। हताहतों का कोई अंदाजा नहीं है। यहां कम से कम सौ लोग लापता होने की सूचना है। रामबाड़ा यात्रा मार्ग का पड़ाव है। आयुक्त गढ़वाल सुवर्द्धन ने कहा कि बुधवार को छोटे हेलीकाप्टर से यहां पहुंचने की कोशिश की जाएगी। केदारनाथ नेशनल हाईवे पर बसे सोनप्रयाग और चंद्रापुरी में भी नुकसान हुआ है। रुद्रप्रयाग जिले में अब तक 25 से 30 लोगों के शव निकाले गए हैं।

हेलीकॉप्टर से रुद्रप्रयाग लाए गए प्रभावितों का कहना है कि मंदिर परिसर और दूसरी जगह कई शव पड़े हुए हैं। पुलिस के कई जवानों और सरकारी कर्मचारियों का कुछ पता नहीं है। हताहतों में स्थानीय और यात्री दोनों हैं। बताया गया है कि रविवार को धाम में ढाई हजार लोग पहुंचे थे। मंदिर का चढ़ावा भी बहने की आशंका है। हवाई सर्वेक्षण के बाद कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने बताया कि लोग जगह-जगह टीलों पर फंसे हैं। गौरीकुंड में फंसे लोगों के लिए पानी तक नहीं है। यहां 250 दुकानें, लॉज, छोटे होटल बह गए हैं।

प्रवाह का प्रकोप

हेल्प नहीं 'नो हेल्पलाइन'

विशेष पेज 16

भूस्खलन से कई मलबे में दबे

रुद्रप्रयाग में गौरीकुंड से तीन किमी पूर्व मुंडकटिया के ऊपर एक जगह कई लोग दो दिन से फंसे हुए थे। मंगलवार को लगभग सवा तीन बजे यहां भूस्खलन शुरू हो गया, जिसमें कुछ लोगों के मलबे में दबने की सूचना है। मंगलवार को आई सूचना के मुताबिक उत्तरकाशी जिले के उड़री गांव में तीन की मौत हो गई। एक लापता है। चमोली जिले में पांच लोगों की मौत हुई है। **ब्यूरो**

बादल फटने से आठ मरे

चमोली जिले में 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें जोशीमठ के उर्गम ग्राम पंचायत में आठ की मौत बादल फटने से हुई। उर्गम, डुमक और कलगोठ गांवों के ग्रामीण घटना के दौरान बुग्याल क्षेत्र में कीड़ा जड़ी के दोहन के लिए टेंट लगाकर बैठे थे। तभी बादल फटने से सभी लोग भारी मलबे और पानी की चपेट में आ गए। हेलंग में दो की भूस्खलन में मौत हो गई। गोविंदघाट में अलकनंदा के तेज बहाव में तीन लोग बह गए। उत्तरकाशी के उड़री गांव में भी तीन की मौत हो गई। **ब्यूरो** संबंधित 13,15 पर

बचाव शुरू

रुद्रप्रयाग। मंगलवार को हेलीकॉप्टर की मदद से केदारनाथ से 850 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 500 लोग अब भी फंसे हैं। बिहार के पूर्व मंत्री अश्विनी कुमार चौबे को भी केदारनाथ से सुरक्षित निकालकर गुप्तकाशी ले जाया गया है। लेकिन इनके साथ आए कुछ लोग लापता हैं। कैबिनेट मंत्री हरक सिंह और अन्य अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से केदारघाटी का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। गौरीकुंड में लोगों ने अपने प्रयासों से अस्थायी हैलीपेड बनाया है। आईटीबीपी के जवानों ने चमोली जिले के गोविंदघाट, पांडुकेश्वर और लामबगड़ से दो हजार से भी अधिक तीर्थयात्रियों को निकालकर जोशीमठ पहुंचाया है। देवप्रयाग-श्रीनगर मार्ग बंद होने से रास्ते में फंसे करीब 300 यात्रियों को देवप्रयाग-पौड़ी और पौड़ी-कोटद्वार मार्ग से गंतव्य तक पहुंचाया गया। उत्तरकाशी में भी यात्री फंसे हैं, लेकिन वे सुरक्षित हैं। चारधाम यात्रा मार्ग समेत 400 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। **ब्यूरो**

61000

यात्रियों के अभी भी प्रदेश में फंसे होने का अनुमान

आज से सेना संभालेगी कमान

देहरादून। प्रदेश में राहत और बचाव का काम बुधवार से पूरी तरह सेना संभाल लेगी। राज्य में 61 हजार से ज्यादा यात्रियों के फंसे होने और सड़क मार्गों की बुरी हालत को देखते हुए मंगलवार को मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने सैन्य मदद मांगी। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, रक्षा मंत्री एके एंटनी से बात की ओर सेनाध्यक्ष को पूरी स्थिति से अवगत कराया। राज्य सरकार की मांग पर सेना और वायुसेना बुधवार से 24 हेलीकाप्टर बचाव कार्य में इस्तेमाल करेगी, जिसमें 10 एडवांस लाइट हेलीकाप्टर होंगे। सेना के राज्य में तैनात पांच हजार सैनिक भी बचाव अभियान में लगेंगे। विस्तृत पेज 15

दिल्ली-उत्तराखंड बस रूट बंद

भारी बारिश के कारण उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जाने वाली बसों का संचालन रोक दिया गया है। इसके साथ कई रूटों की बसें दस से 12 घंटे की देरी से दिल्ली पहुंच रही हैं। नैनीताल, हल्द्वानी, ऋषिकेश व पिथौरागढ़ का रूट पूरी तरह बंद किया गया है क्योंकि बरसात व भूस्खलन के चलते सड़क मार्ग बाधित होने के चलते बसें वापस नहीं लौट रही हैं। दूसरा आगे रास्ता बंद होने के चलते रूट बंद करने का निर्णय लिया गया है। मनाली, किन्नौर व अल्मोड़ा के बस रूट भी हुए बंद किए गए हैं। उत्तराखंड जाने वाली अन्य बसों को वाया रुड़की भेजा जा रहा है। **ब्यूरो**

व्यापक विध्वंस

- मंगलवार को मौसम खुला तो शुरू हुआ बचाव कार्य
- केदारनाथ से साढ़े आठ सौ लोगों को निकाला गया
- चमोली में फंसे दो हजार यात्रियों को जोशीमठ पहुंचाया गया
- केदारधाम में गांधी सरोवर फटने से आया मलबा, ढहे भवन दिख रहे
- हवाई सर्वेक्षण में रामबाड़ा बाजार का निशान तक नहीं दिखा
- गौरीकुंड, सोनप्रयाग, चंद्रापुरी में ढहे मकान दुकान और होटल
- बिहार के पूर्व मंत्री अश्विनी कुमार चौबे केदारधाम से निकाले गए
- देशभर से आ रहे परिजनों की कुशलता जानने को फोन

केदारनाथ धाम : आपबीती

दो दिनों तक केदारनाथ में जिंदगी की जंग लड़ने के बाद मंगलवार को सुरक्षित निकाले गए केदारनाथ मंदिर में सह वेदपाठी रविंद्र भट्ट और सीओ आर डिमरी की आपबीती। केदारनाथ में क्या हुआ। कैसे मची तबाही। पेज 15 पर

अंदर के पेज की खबरें

- नाराज आडवाणी को मनाने पहुंचे मोदी : पेज 18
- 80 फीसदी तक सस्ती होंगी दवाएं : पेज 18
- सेक्स संबंध बना चुके युगल भी पति-पत्नी : पेज 18